नोटिस त्यागपत्र देने के बाद भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को थमाए जा रहे नोटिस, एसडीम से लगाई न्याय की गुहार

एसडीएम जांच के बाद गिर सकती है सुपरवाइजर पर गाज

नवभारत/ नरसिंहपुर/ गोटेगांव। विकासखंड के ग्राम पिपरिया लाटगांव में पदस्थ आंगनवाड़ी सहायिका राजश्री विश्वकर्मा ने 19 मई 2026 को महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी के समक्ष त्यागपत्र दे दिया था। इसके बावजूद ग्रामीण सेक्टर की सुपरवाइजर द्वारा उन्हें लगातार नोटिस भेजे जा रहे हैं।

तीन नोटिस से परेशान सहायिका

सहायिका राजश्री विश्वकर्मा ने बताया कि त्यागपत्र देने के बाद भी उन्हें तीन नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने अनुभागीय अधिकारी को शिकायत देकर निवेदन किया है कि इस्तीफा देने के बाद उन्हें नोटिस न भेजे जाएं।

शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

राजश्री ने बताया कि त्यागपत्र देने से पहले उन्होंने केंद्र में हो रही परेशानियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा प्रताड़ित किए जाने की पूरी जानकारी सेक्टर सुपरवाइजर और परियोजना अधिकारी को दी थी। लेकिन कोई निराकरण नहीं हुआ। लगातार उपेक्षा से आहत होकर उन्होंने पद से त्यागपत्र दे दिया।

त्यागपत्र का कारण

पिपरिया लाटगांव की सहायिका का आरोप है कि आंगनवाड़ी केंद्र में हो रही परेशानी और कार्यकर्ता द्वारा प्रताड़ना की शिकायत पर विभाग ने उचित कार्यवाही नहीं की। समस्या का समाधान न मिलने से मजबूर होकर उन्होंने इस्तीफा दिया। नियमानुसार त्यागपत्र देने और स्वीकृत होने के बाद कर्मचारी को नोटिस जारी करना प्रक्रिया के खिलाफ है। मामले में जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

इनका कहना है

हां रिजाइन देने के बाद लग रहे नोटिस का एक मामला आया है जो कि नियम विरुद्ध है जिसमें मेरे द्वारा महिला बाल विकास अधिकारी रश्मि बोहरे से बात कर उक्त मामले की जानकारी मांगी गई है जो आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा इस्तीफा देने के बावजूद आवेदिका राजश्री विश्वकर्मा को नोटिस दे रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है उनकी जांच उपरांत गलत पाए जाने पर उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

-एस.डी.एम संघमित्रा गौतम

ईको क्लब किसलय के द्वारा हुआ पौधरोपण

नरसिंहपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित परिसर की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवीन निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय नरसिंहपुर के प्रांगण में ईको क्लब किसलय द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के 10 पौधे रोपे गए। विद्यालय प्राचार्य श्री प्रभात मिश्रा ने बताया कि आंवला, नीम, सहजन, अशोक एवं जामुन जैसे फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। उन्होंने कहा कि नवीन निर्माणाधीन भवन परिसर को हरा-भरा बनाने और नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण को बड़ावा देने के उद्देश्य से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय परिवार एवं ईको क्लब किसलय के सहयोग से परिसर में लगभग 80 पौधों का रोपण किया जा चुका है। विद्यालय में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व एवं प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी दिया जा रहा है।

कथा पुण्य के लिए नहीं परिवर्तन के लिए होती है

नवभारत/ तेंदूखेड़ा। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र में धार्मिक आध्यात्मिक आयोजन चल रहे हैं।इसी श्रंखला के चलते देवरी राजमार्ग में 9 जून से शुरू हुई श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के माध्यम से प्रथम दिवस कथा व्यास पं विपिन विहारी महाराज ने श्रीमद्भागवत पुराण का महत्व बड़े ही सुन्दर भाव से समझाते हुए कहा कि आज कल जगह जगह कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह चल रहे हैं लेकिन लोगों के आचार विचार नहीं बदल रहे हैं।कथा पुण्य के लिए नहीं बदलाव के लिए हुआ करती है। हमें अपने जीवन में कथाओं के सार को उतारने आचार विचार करने की जरूरत है।मानव जीवन मिला है तो इसमें भगवान का नाम लेना जरूरी है। आत्मा को परमात्मा से जोड़ना ही मानव जीवन का सार है।भागवत कथा चार सूत्रों में बंधी हुई है। ज्ञान ध्यान दान और भगवान जिसने इनको समझ लिया मानों उसने भगवान को पा लिया। सत्संग करने से ज्ञान

मिलता है। और ज्ञान से ध्यान मिलता है ध्यान से ही भगवान की प्राप्ति होती है।मानव जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण है इसे श्रेष्ठ बनाओं। परमात्मा से जोड़ो इस जीवन में मौत मातम महोत्सव तीन विषय है। भगवान से मिले बगैर ही यदि मौत आ जाये तो मानव जीवन में आना बेकार है। और भगवत की शरण में रहते हुए मौत आ जाये तो वह महोत्सव हो जाती है।भागवत ही एक मात्र ऐसा ग्रंथ है जो तीनों लोकों में मिलती है। जिसका स्वयं नारद जी देव और सारे तीर्थ इस कथा को श्रवण करते हैं।जो गंगा दूसरों के पापों को धुलती है वह स्वयं भागवत की शरण में रहती हैं। संत सज्जन सती जो स्वयं पवित्र है जो व्यक्ति अपने जीते जी श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करता है और अपने जीवन में कथा के विचारों को उतारता है आचार विचार करता है स्वभाव में लाता है वही वैकुंठ धाम का हकदार हो जाता है।देह को देवालय बनाओ घर को मंदिर बनाओ मनुष्य में मनुष्यता आ जाये यही कथा है। कथा श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्रोता पहुंच रहें हैं। पूर्व विधायक संजय शर्मा ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से उपस्थिति की अपील की है।

चाट-फुल्की दुकान के गैस सिलेंडर में लगी आग

नवभारत/ गोटेगांव। नगर में लगी एक चाट-फुल्की की दुकान में बुधवार को स्टेशन रोड रामनगर स्थित फुल्की दुकान में गैस सिलेंडर लीकेज हो जाने के कारण अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। दुकानदार की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया, हालांकि आग बुझाने के प्रयास में संचालक योगेश साहू खुद भी झुलस गया। उसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

घरेलू सिलेंडर का हो रहा व्यावसायिक उपयोग

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुकान में घरेलू उपयोग वाला गैस सिलेंडर इस्तेमाल किया जा रहा था। नगर में लग रही चौपाटी की ज्यादातर दुकानों और कई प्रतिष्ठानों में भी नियमों के खिलाफ घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग हो रहा है।

विभाग की अनदेखी से नाराजगी

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों द्वारा इस ओर कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। खुलेआम नियमों की अनदेखी से कभी भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है।

नागरिकों ने की कार्रवाई की मांग

आम नागरिकों ने खाद्य विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि नगर में घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग करने वाले दुकानदारों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही सभी चौपाटी दुकानों में फायर सेफ्टी के इंतजाम अनिवार्य किए जाएं। नियम अनुसार व्यावसायिक गतिविधियों के लिए 19 किलो वाला कमर्शियल गैस सिलेंडर अनिवार्य है।

सुरक्षित मातृत्व शिविर में 40 गर्भवती महिलाओं की जांच

नवभारत/ तेंदूखेड़ा। विगत दिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस अभियान के 10 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित शिविर में 40 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें सीएमएचओ डॉ. मनीष मिश्रा एवं बीएमओ डॉ. राजकिशोर पटेल के मार्गदर्शन में सीएचसी प्रभारी डॉ. दामोदर जाटव महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने महिलाओं की जाँच कर परामर्श दिया। शिविर में हाई रिस्क प्रेगनेंसी जोखिम वाली गर्भावस्था की पहचान की गई। साथ ही महिलाओं को नि:शुल्क खून पेशाब की जाँच जरूरी दवाइयाँ पोषण की जानकारी और घर से लाने ले जाने के लिए वाहन की सुविधा दी गई। इस दौरान सुपरवाइजर मो. शफीक कुरैशी सहित सीएचसी स्टाफ आशा कार्यकर्ता और पैथोलॉजी टीम का विशेष सहयोग रहा।

महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण को बनाया हथियार

नवभारत/ गोटेगांव। समीप श्रीनगर में विगत दिवस राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित जीवन ज्योति क्लस्टर लेवल फेडरेशन श्रीनगर की महिला सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण और बंजर भूमि को हरा-भरा बनाने की दिशा में बड़ी पहल की है। ष्टस्न से जुड़ी महिलाओं ने बड़े पैमाने पर सीड बॉल बनाने का कार्य शुरू किया है। स्थानीय प्रजातियों के बीजों का चयन कर इस अभियान के तहत नीम, जामुन, करंज, आम और मुनगा जैसी स्थानीय प्रजातियों के बीजों का चयन किया गया है। इन बीजों को मिट्टी, खाद और जैविक कीटनाशकों के मिश्रण से बनी छोटी गेंदों में सुरक्षित किया जा रहा है। सीड बॉल तकनीक कम

लागत में अधिक क्षेत्र में वनीकरण का अत्यंत प्रभावी माध्यम मानी जाती है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही इन सीड बॉल्स को आगामी वर्षा ऋतु में पहाड़ी क्षेत्रों, वनों के कटे हिस्सों और दुर्गम खाली भूमियों पर बिखेरा जाएगा। मिट्टी और खाद का आवरण होने के कारण ये बीज पक्षियों और कीड़ों से सुरक्षित रहते हैं। बारिश का पानी मिलते ही ये प्राकृतिक रूप से अंकुरित हो जाते हैं। इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में जीवन ज्योति संकुल स्तरीय संगठन की महिलाओं की सक्रिय सामुदायिक सहभागिता रही। महिलाओं का कहना है कि इस पहल से न सिर्फ हरियाली बढ़ेगी, बल्कि गांव में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी आएगी।

क्या है सीड बॉल

सीड बॉल मिट्टी, खाद और बीज का मिश्रण होती है। इसे फेंकने के बाद देखभाल की जरूरत नहीं पड़ती। यह तकनीक जापान के कृषि वैज्ञानिक मसानोबु फुकुओका ने विकसित की थी।

एक नजर में

खनिज का अवैध परिवहन करते दो ट्रेक्टर-ट्राली पाए जाने पर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया

नरसिंहपुर। प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा नरसिंहपुर ने बताया कलेक्टर रजनी सिंह के निर्देशन में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण की रोकथाम के लिए संयुक्त निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में निरीक्षण के दौरान खनिज विभाग के प्रभारी खनि निरीक्षक नीरज रामटेके द्वारा 5 जून 2026 को एक ट्रेक्टर ट्राली और 10 जून 2026 को एक ट्रेक्टर ट्राली खनिज रेत का अवैध उत्खनन/ परिवहन करते हुए पाये जाने पर प्रकरण तैयार कर वाहनों को क्रमश:पुलिस थाना सांईखेड़ा एवं पुलिस थाना स्टेशनगंज की अभिरक्षा में रखा गया है।

कलेक्टर ने सुनीं लोगों की समस्याएं

नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 140 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिला पंचायत सीईओ श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

कलेक्टर ने मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर जर्जर भवनों को डिस्मेंटल करने के निर्देश दिए

नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मानसून सत्र के पूर्व तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क, पुल-पुलिया मरम्मत, नगरीय निकायों में जर्जर भवन, स्कूल, छात्रावास, आंगनवाड़ी, पंचायत भवन, नहर एवं डेम सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि पुराने स्कूल, आंगनवाड़ी एवं अन्य सार्वजनिक भवन जो क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, उन्हें प्राथमिकता से ध्वस्त (डिस्मेंटल) करने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि कंडम/ क्षतिग्रस्त भवनों की सूची 3 दिवस के भीतर लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध कराई जाए, ताकि समय पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर सिंह ने की जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा

नरसिंहपुर। कलेक्टर रजनी सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के अंतर्गत जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक ली। जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत एकल नल-जल योजनाओं के 776 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, शेष योजनाएं प्रगतिरत हैं। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि जो योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं और हस्तांतरण के लिए शेष रह गई हैं, उन्हें ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित किया जाए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देशित किया कि आगामी ग्रीष्मऋतु को देखते हुए सभी योजनाएं चालू रहें और हैंडपंप का सुधार कार्य शीघ्रता से किया जावे, जिससे ग्रामीणों को पेयजल की समस्या न हो एवं सुचारू रूप से जल प्रदाय प्राप्त होता रहे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि माह अगस्त तक सभी आवंटित ग्रामों में पेयजल प्रदाय चालू करना सुनिश्चित करें। अन्यथा कार्य में विलम्ब की दिशा में उक्त ठेकेदार पर पेनाल्टी लगाई जावे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जल निगम के द्वारा किए जा रहे समूह नल-जल योजना में शामिल गोटेगांव विकासखंड के 59 ग्रामों में चल रहे कार्यों की समीक्षा की। जल निगम के जी.एम. जबलपुर ने बताया कि माह अक्टूबर तक पायली समूह योजना से इन ग्रामों में पेयजल प्रदाय शुरू होना है। वर्तमान में सिवनी तक पानी प्रदाय करना शुरू कर दिया गया है। गोटेगांव विकासखंड के 23 ग्रामों में उच्च स्तरीय टंकी का निर्माण किया जाना था, जिसमें 18 टंकियों का कार्य पूर्ण कर दिया गया है और 5 टंकियों का कार्य प्रगतिरत है। उन्होंने कहा कि सभी टंकियों के कार्य माह अगस्त तक पूर्ण कर दिए जावें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ली सुरक्षा और संरक्षण की शपथ

नवभारत/तेंदूखेड़ा। विगत दिवस पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा विषय पर गोष्ठी का आयोजन कर पखवाडा बनाने के संकल्प के साथ स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। शासकीय महाविद्यालय परिसर में आयोजित हुये इस कार्यक्रम में अधिकारियों कर्मचारी विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय परिसर में साफ सफाई की गई। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.के. झा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए पर्यावरण विषय पर अपने विचार व्यक्त किये जिसमे उन्होंनें बताया कि विद्यार्थियों को अपने आसपास की स्वच्छता को बनाये रखना चाहिए।

मायके से लापता विवाहिता दस्तयाब, प्रेमी संग रहने पर अड़ी

नवभारत/ गोटेगांव। थाना गोटेगांव के एक गांव में पति का घर छोड़कर मायके में रह रही विवाहिता के लापता होने का मामला सामने आया। पुलिस ने महिला को दस्तयाब कर लिया। थाने में पूछताछ के दौरान महिला ने पति को छोड़कर प्रेमी के साथ रहने की इच्छा जताई और अपने फैसले पर अडिग रही। यह घटनाक्रम बीते 4 जून का है। महिला अचानक मायके से कहीं चली गई थी। काफी खोजबीन के बाद भी सुराग न मिलने पर परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने

सक्रियता दिखाते हुए महिला को सुरक्षित दस्तयाब कर थाने लाया। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह पति के साथ नहीं रहना चाहती। उसने प्रेमी के साथ ही आगे की जिंदगी गुजारने का निर्णय लिया है। इसके बाद पुलिस ने युवक और दोनों पक्षों के परिजनों को थाने बुलाया। परिजनों की मौजूदगी में लंबी समझाइश के बाद भी महिला अपने फैसले पर अडिग रही। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक वैधानिक औपचारिकताएं पूरी कर महिला की इच्छानुसार कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, महिला और युवक की पहचान कॉलेज में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों एक ही कक्षा में पढ़ते थे और तभी दोनों के बीच प्रेम संबंध बने। करीब एक वर्ष पूर्व परिजनों ने युवती का विवाह जिले से बाहर कर दिया था।

आईटीआई रिक्त सीटों पर कर सकते हैं आवेदन

नरसिंहपुर। प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था तेंदूखे ?ा ने बताया कि शासकीय आईटीआई तेंदूखे ?ा में प्रवेश कार्य प्रारंभ है। सत्र 2026 में प्रथम चरण प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जून 2026 तक निर्धारित की गई है। महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत सीट आरक्षित की गई है। रजिस्ट्रेशन एवं चॉइस फिलिंग के लिए एमपी ऑनलाइन कर सकते है। संस्था में सत्र 2026-27 में प्रवेशित ट्रेड इलेक्ट्रीशियन के लिए 20 (एनसीव्हीटी), इलेक्ट्रीशियन के लिए।

221 नागरिकों के आधार अपडेट

नरसिंहपुर। सहायक प्रबंधक ई-गवर्नेंस श्री ब्रजकिशोर बादल ने बताया कि कलेक्टर रजनी सिंह के निर्देशन में ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष आधार शिविरों का आयोजन कर नागरिकों को उनके गांव के समीप ही आधार अपडेट एवं नवीन आधार कार्ड बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में 9 आधार संबंधी शिविर लगाए गए। इन शिविरों के माध्यम से कुल 221 नागरिकों के आधार अपडेट किए गए एवं नए आधार कार्ड बनाए गए। उन्होंने बताया कि 92 नागरिकों के आधार में बायोमेट्रिक अपडेट, 28 नागरिकों के डेमोग्राफिक अपडेट और 95 नागरिकों के नए आधार कार्ड बनाए गए।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में 30 जून तक ले सकते हैं ऑनलाइन प्रवेश

नवभारत/ नरसिंहपुर। कौशल विकास संचालनालय द्वारा संचालित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ है, जिसकी अंतिम तिथि 30 जून 2026 है। शासन का लक्ष्य है कि शासकीय आईटीआई में उपलब्ध सीटों पर शतप्रतिशत प्रवेश और महिला अभ्यर्थियों का न्यूनतम 35 प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित करना है। आईटीआई में सत्र 2026-27 के लिए 30 जून तक पोर्टल https://dsd.mp.gov.in पर जाकर पंजीयन, ज्वाईस फिलिंग और त्रुटि सुधार कर सकते हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देशित किया है कि ग्राम पंचायतों में कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराई जाए। पंचायत सचिव एवं सरपंच स्थानीय विद्यालयों के सहयोग से आईटीआई प्रवेश संबंधी जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाएं और पात्र अभ्यर्थियों का अधिक से अधिक ऑनलाइन पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कराई जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले के द्वारा बालिकाओं और महिलाओं को आईटीआई के रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की जानकारी देकर प्रवेश के लिए प्रेरित किया जाए। स्वसहायता समूह के माध्यम से भी प्रचार- प्रसार कराना सुनिश्चित किया जाए।

पेयजल टंकी के पास कचरा घर, टूटी नालियों से फैली सड़ांध

नवभारत/ गोटेगांव। ग्राम बौछार इन दिनों बुनियादी समस्याओं के भ्रमजाल में उलझा है। पेयजल टंकी और कचरा घर आमने-सामने गांव में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस स्थान पर ग्रामीणों के लिए पेयजल की टंकी बनी है, ठीक उसी के पास पंचायत बौछार गंज द्वारा कूड़ादान व कचरा संग्रहण केंद्र भी बना दिया गया है। कृषि उपज मंडी कार्यालय भी इन दोनों से मात्र 10-10 फुट की दूरी पर स्थित है। तीनों निर्माण एक ही जगह किस इंजीनियर या विशेषज्ञ की सलाह पर किए गए, यह बड़ा सवाल है। इससे पेयजल दूषित होने का खतरा बना हुआ है। पूरे बौछार क्षेत्र के रहवासी गंदे पानी के निस्तारण की विकराल समस्या से जूझ रहे हैं। गांव की नालियां जगह-जगह से टूटी-फूटी और

अधूरी हैं। कीचड़ और बदबू से पूरा वातावरण दूषित हो चुका है। अक्सर उठने वाली तेज दुर्गंध से लोगों को नाक बंद कर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्राथमिक समस्याओं पर जनप्रतिनिधि और प्रशासन कोई जिम्मेदारी नहीं ले रहे। पंच, सरपंच से लेकर शासन-प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तक अपनी जिम्मेदारी निभाने से कतराते नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों में रोष है कि सभी ने आंखें मूंद ली हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से सवाल किया है।

लाखों का अनुदान, फिर भी खाली पड़ी गौशालाएं, सड़कों पर डेरा जमाए बैठा गौवंश

नवभारत/ गोटेगांव। गौमाता की सुरक्षा और संरक्षण के लिए शासन ने लाखों-करोड़ों रुपये खर्च कर ग्राम पंचायतों में गौशालाओं का निर्माण तो कराया, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी से ये योजनाएं लापरवाही की भेंट चढ़ गई हैं। वर्तमान में क्षेत्र की कई गौशालाएं पूरी तरह खाली पड़ी हैं। नतीजतन नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के चौक-चौराहों और मुख्य सड़कों पर गौवंश डेरा जमाए बैठा है। शासन की भारी-भरकम राशि खर्च होने के बावजूद गौवंश को सुरक्षित आश्रय नहीं मिल पा रहा है। इससे गौशालाओं के प्रबंधन और संचालन पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

सड़कें बनीं आशियाना, बढ़ रहे हादसे: उचित देखरेख और सुरक्षित ठिकाना न मिलने के कारण बेसहारा गौवंश सड़कों को ही आशियाना बनाने पर मजबूर है। आए दिन मवेशी तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आकर अकाल मौत का शिकार हो रहे हैं। इन दुर्घटनाओं में कई वाहन चालक और राहगीर भी अपनी जान गंवा चुके हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि एक तरफ गौवंश सड़कों पर भटक रहा है, तो दूसरी तरफ जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी इस गंभीर समस्या पर मौन साधे हैं। पशु संवर्धन बोर्ड ने गौशाला संचालन के लिए प्रति गौवंश अनुदान राशि 20 रुपये से बढ़ाकर प्रतिदिन 40 रुपये कर दी है।

लापरवाही से गौवंश की दुर्दशा

इसके बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदली। लाखों रुपये का सरकारी अनुदान आने के बाद भी मवेशियों को सड़कों पर भटकता देख आम जनता में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि सरकार के कड़े निर्देशों के बाद भी अफसरों की घोर लापरवाही से गौवंश दुर्दशा झेल रहा है। नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि खाली गौशालाओं का भौतिक सत्यापन कराया जाए। अनुदान का दुरुपयोग करने वाले संचालकों और लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो। साथ ही सड़कों पर बैठे गौवंश को तुरंत गौशालाओं में शिफ्ट किया जाए।

हज यात्रा से लौटने पर हुआ जोरदार स्वागत

नवभारत/ तेंदूखेड़ा। विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित कुरैशी परिवार के शेख जुम्मन कुरैशी एव उनकी अहलिया अकीला कुरैशी अपनी 45 दिवसीय पवित्र हज यात्रा संपन्न कर सकुशल गृह नगर लौट आए हैं। उनके वापस लौटने पर परिजनों शुभचिंतकों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक उनका आत्मीय स्वागत किया। दोनों हज यात्रियों ने मक्का-मदीना के प्रमुख पवित्र स्थलों की जियारत की और हज के सभी अरकान को पूरी श्रद्धा व अकीदत के साथ पूरा किया। सऊदी अरब में हज की समस्त प्रक्रियाएं पूर्ण करने के बाद वे भारत लौटे।

स्टेशन पर उमड़ा जनसैलाब

जैसे ही दोनों हज यात्री गाडरवारा स्टेशन पहुंचे वहां पहले से मौजूद रिश्तेदारों परिजनों मित्रों ने फूल-मालाओं और गुलदस्तों के साथ उनका पुरजोश स्वागत किया। इस

दौरान घर और आसपास के पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल देखा गया।देश की तरक्की और खुशहाली के लिए मांगी दुआएं हज से लौटे हाजियों ने अपनी यात्रा के अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने पवित्र स्थलों पर विशेष रूप से अपने देश की तरक्की, अमन-चैन और खुशहाली के लिए अल्लाह ताला के हुजूर में दुआएं मांगी हैं। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि सभी करीबियों और रिश्तेदारों की दुआओं के सदके अल्लाह के रहम-ओ-करम से यह बेहद पावन और कठिन सफर बहुत ही आसान और गरिमापूर्ण रहा।